प्रेस विज्ञप्ति

30 सितंबर, 2020 को समाप्त अर्धवार्षिक एवं तिमाही के वित्तीय परिणाम

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक मंडल ने 30 सितंबर, 2020 को समाप्त अर्धवार्षिक एवं तिमाही के लिए बैंक के लेखों का आज अनुमोदन किया है.

मुख्य बातें

परिवर्तन	मद			परिवर्तन
↑ 11.4%	**शुद्ध ब्याज आय** ₹12696 करोड़ H1 FY-21 / ₹ 11402 करोड़ H1 FY-20		**शुद्ध लाभ** ₹ 517 करोड़ Q2 FY-21 / ₹ 333 करोड़ Q1 FY-21	55.3% ↑
↑ 7.8%	**खुदरा अग्रिम** ₹ 117231 करोड़ सितंबर 20 / ₹ 108722 करोड़ सितंबर 19		**कासा जमाराशि** ₹ 306665 करोड़ सितंबर 20 / ₹ 272930 करोड़ सितंबर 19	12.4% ↑
↓ 227 bps	**शुद्ध एनपीए** 4.13 प्रतिशत सितंबर 20 / 6.40 प्रतिशत सितंबर 19		**पीसीआर** 83.16 प्रतिशत सितंबर 20 / 74.26 प्रतिशत सितंबर 19	890 bps ↑
↑ 51 bps	**सीईटी** 8.91 प्रतिशत सितंबर 20 / 8.40 प्रतिशत जून 20		**सीआरएआर** 12.38 प्रतिशत सितंबर 20 / 11.62 प्रतिशत जून 20	76 bps ↑

कारोबार निष्पादन :

- वैश्विक कारोबार 3.1% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को ₹15,37,160 करोड़ रहा.
- कुल वैश्विक जमाराशि 4.0% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को ₹8,86,098 करोड़ रहा.
- कासा जमाराशि 12.4% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को ₹3,06,665 करोड़ हो गई.
- वैश्विक सकल अग्रिम 1.9% की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को ₹6,51,062 करोड़ रहा.
- रिटेल अग्रिम 7.8% की वार्षिक वृद्धि की दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को ₹1,17,231 करोड़ हो गया.
- कुल अग्रिमों में रैम (रिटेल, कृषि, एमएसएमई) का शेयर 161 बीपीएस की वार्षिक दर से बढ़कर 30 सितंबर, 2020 को 55.7% हो गया.

H1 FY-21 के दौरान परिचालन कार्यनिष्पादन :

- शुद्ध ब्याज आय H1 FY-20 के ₹11,402 करोड़ के सापेक्ष H1 FY-21 में 11.4% की दर से बढ़कर ₹12,696 करोड़ हो गया.
- H1 FY-21 में अन्य आय ₹3,770 करोड़ रहा.
- परिचालन लाभ H1 FY-20 के ₹8,560 करोड़ के सापेक्ष H1 FY-21 में 2.4% की वृद्धि के साथ ₹8,769 हो गया.

- H1 FY-20 के दौरान ₹615 करोड़ की शुद्ध हानि के सापेक्ष H1 FY-21 में शुद्ध लाभ ₹849 करोड़ रहा.
- H1 FY-21 में वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.51% रहा, जबकि घरेलू एनआईएम 2.56% रहा.
- H1 FY-21 में अग्रिमों पर आय 7.66% रहा.
- जमा राशि की लागत H1 FY-20 के 5.65% के सापेक्ष H1 FY-21 में सुधार के साथ 4.92% रहा.

वित्तीय वर्ष-21 की दूसरी तिमाही के दौरान परिचालन कार्यनिष्पादन :

- शुद्ध ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही के ₹5934 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में 6.1% की दर से बढ़कर ₹6293 करोड़ हो गया.
- वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में अन्य आय ₹2,308 करोड़ रहा.
- परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही के ₹4,643 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में 2.0% की वृद्धि के साथ ₹4,735 करोड़ रहा.
- वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में शुद्ध लाभ ₹333 करोड़ के सापेक्ष 55.3% की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में ₹517 करोड़ रहा.
- वित्तीय वर्ष 2021 की पहली तिमाही में वैश्विक शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.51% रहा, जबकि घरेलू एनआईएम 2.56% रहा.
- वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में अग्रिमों पर आय 7.45% रहा.
- जमा राशि की लागत वित्तीय वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही के 5.70% के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में सुधार के साथ 4.82% रहा.

आस्ति गुणवत्ता :

- सकल एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2019 के 15.75% के सापेक्ष 30 सितंबर, 2020 को सुधार के साथ 14.71% हो गया.
- शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2019 के 6.40% के सापेक्ष 30 सितंबर, 2020 को सुधार के साथ 4.13% हो गया.
- प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 30 सितंबर, 2019 के 74.26% के सापेक्ष 30 सितंबर, 2020 को सुधार के साथ 83.16% हो गया.

पूंजी पर्याप्तता :

- टियर - I और सीईटी-1 पूंजी अनुपात 30 सितंबर, 2020 को क्रमश: 10.05% और 8.91% रहा.
- बासल III के अंतर्गत बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात न्यूनतम विनियामक अपेक्षा 10.875% की तुलना में 30 सितंबर, 2020 को 12.38% हो गया.

नेटवर्क :

- 9590 शाखाएँ
- 13287 एटीएम
- 8230 बीसी पॉइंट्स
- 90 सरल/सरल लाइट (एमएसएमई ऋण प्रोसेसिंग केंद्र)
- 121 यूएलपी (रिटेल ऋण प्रोसेसिंग केंद्र)

वित्तीय समावेशन योजनाएं:

सरकार समर्थित योजनाएं जैसे पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई, पीएमजेडीवाई और एपीवाई के माध्यम से वित्तीय समावेशन का उद्देश्य बाधाओं को खत्म करना है और समाज के कम पहुँच वाले वर्गों को आर्थिक रूप से मूल्य वाली वित्तीय सेवाओं को प्रदान करना है.

- **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई):**

पीएमजेजेबीवाई एक सरकार समर्थित बीमा योजना है, 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 65,128 नए नामांकन किए गए.

- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई):**

पीएमएसबीवाई सरकार समर्थित दुर्घटना बीमा योजना है, 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही में बैंक द्वारा 1.45 लाख नए पंजीकरण किए गए हैं

- **प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई):**

प्रधानमंत्री जन धन योजना में सितंबर 30, 2019 में 4,245 करोड़ की राशि के 1.68 करोड़ खातों की तुलना में 30 सितंबर, 2020 तक 5,764 करोड़ रुपये राशि के कुल 2 करोड़ खाते खोले गए हैं.

- **अटल पेंशन योजना (एपीवाई):**

एपीवाई एक पेंशन योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र पर लक्षित है, 30 सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही के लिए बैंक द्वारा 1.51 लाख नए नामांकन किए गए.

कोविड-19 से निपटने के लिए शुरू की गईं नई योजनाएं:

कोविड-19 की महत्वपूर्ण चुनौतियों से निपटने के लिए, बैंक ने चलनिधि असमानता (लिक्विडिटी मिसमैच) में आए दबाव/समस्याओं को कम करने या उपभोगताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु व्यापारिक संस्थाओं, रिटेल ग्राहकों, स्वयं सहायता समूहों के लिए अनेक मुख्य योजनाओं की शुरुआत की है.

- **कोविड इमरजेंसी लाइन ऑफ क्रेडिट (सीईएलसी)** : सभी प्रकार के क्षेत्रों के उधारकर्ताओं के लिए मौजूदा निधि आधारित कार्यशील पूंजी सीमा हेतु योजना.

  मंजूर किए गए ऋणों की संख्या - 113880
  मंजूर की गई कुल राशि - ₹3651 करोड़

- **यूनियन COVID 19 व्यक्तिगत ऋण योजना (यूसीपीएलएस)** : पिछले 12 महीनों से हमारे बैंक के माध्यम से वेतन प्राप्त करने वाले सभी सरकारी/गैर-सरकारी कर्मचारी और मौजूदा रिटेल उधारकर्ताओं के लिए योजना.

  मंजूर किए गए ऋणों की संख्या - 75791
  मंजूर की गई कुल राशि - ₹1798 करोड़

- **यूनियन स्वयं सहायता समूह कोविड ऋण सुविधा (यूएससीएसएल)** : संतुष्टिपूर्ण ट्रैक रिकॉर्ड वाले सभी मौजूदा स्वयं सहायता समूहों के लिए योजना.

  मंजूर किए गए ऋणों की संख्या - 131871

  मंजूर की गई कुल राशि - ₹718 करोड़

- **यूनियन गारंटीकृत इमरजेंसी क्रेडिट लाइन (यूजीईसीएल)** : भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप पात्र व्यावसायिक उद्यम/एमएसएमई उधारकर्ता, जिसमें इच्छुक पीएमएमवाई उधारकर्ता शामिल हैं, के लिए एक विशेष योजना जो कि 29 फरवरी, 2020 को बकाया ऋण राशि की 20% तक अतिरिक्त कार्यशील पूंजी मीयादी ऋण सुविधा के रूप में (बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के मामले में), पूर्व-अनुमोदित मंजूरी सीमा होगी.

  मंजूर किए गए ऋणों की संख्या - 370964

  मंजूर की गई कुल राशि - ₹7168 करोड़

- **विस्तारित आंशिक ऋण गारंटी योजना (पीसीजीएस)** : कम मूल्यांकित वाले एनबीएफ़सी/एचएफ़सी/एमएफ़आई को चलनिधि सहायता प्रदान करने के लिए योजना.

  मंजूर किए गए ऋणों की संख्या - 27

  मंजूर की गई कुल राशि - ₹2035 करोड़

[नोट: दिनांक 1 अप्रैल 2020 से आंध्रा बैंक एवं कॉर्पोरेशन बैंक का समामेलन प्रभावी हुआ है ; तदनुसार 31 मार्च, 2020 एवं 30 सितंबर, 2019 का सम्मिलित वित्तीय परिणाम तीनों बैंकों के लेखापरीक्षित /समीक्षित आकड़ों के समेकन द्वारा प्राप्त किया गया है]

---X--

दिनांक : 6 नवंबर, 2020

स्थान: मुबंई